2016 (48)

प्रथम नियुक्ति के समय अचल संपत्ति का विवरण वर्ष 1986 , निरंक

1. ~~अधिकारी~~/कर्मचारी का पूरा नाम रघुवीर प्रसाद दीपा 2. वर्तमान धारित पद कार्या० सहा० श्रेणी-III 3. कार्यालय का नाम मु० अ० (प्रोक्योरमेन्ट/मानीटी०) म०प्र० पॉ० ट्रां० कं०लि० जबलपुर 4. वर्तमान वेतन 25200/-+3800/- अन्यभत्ते 5. भविष्य निधि क्रमांक 23503104 6. कर्मचारी संख्या 18944603

उस जिले, उप संभाग, तालुका तथा ग्राम का नाम, जिसमें संपत्ति स्थित हो	संपत्ति का नाम तथा ब्यौरे		वर्तमान मूल्य	यदि स्वयं के नाम पर न हो तो बतलाइये कि वह किसके नाम पर धारित है और उसका मंडल अधिकारी/कर्मचारी से क्या संबंध है	उसे किस प्रकार अर्जित किया गया खरीद, पट्टा, बंधक विरासत, भेंट या अन्य किसी प्रकार से तथा अर्जन की तारीख और जिससे अर्जित की गई हो उसका नाम तथा ब्यौरा	संपत्ति से वार्षिक आय	अभ्युक्ति
	गृह तथा अन्य भवन	भूमि					
1	2	3	4	5	6	7	8
नरसिंहपुर जिला	गृह - 1 नं० (निर्माण वर्ष 1997-1998 1 वर्ष मे)	प्लाट 1 नं० 1550 वर्ग-फीट जनवरी-2012 में	दोनों की कीमत लगभग 38 लाख रुपये	प्लाट 1 नं० पत्नि के नाम पर है पत्नि का नाम श्रीमती शशि	गृह एवं भूमि मण्डल/कम्पनी से लोन लेकर तथा वेतन से बचत कर अर्जित किया गया है	निरंक	

हस्ताक्षर [signature]

नाम आर० पी० दीपा

पद कार्यालय सहा० श्रेणी-III

* जहां लागू न हो काट दीजिए

** ऐसे मामले में जहां मूल्य का सही-सही निर्धारण करना संभव न हो, वहां वर्तमान स्थिति के संदर्भ में लगभग मूल्य बतलाया जाए

*** इसमें अल्पकालीन पट्टे भी सम्मिलित हैं

टिप्पणी—मंडल द्वारा ग्राह्य म.प्र. शासकीय सेवक (आचरण) नियम, 1965 के नियम 19(1) के अधीन प्रथम श्रेणी, द्वितीय श्रेणी तथा तृतीय श्रेणी सेवा के प्रत्येक सदस्य से यह अपेक्षित है कि वह सेवा में पहली नियुक्ति के समय और उसके बाद प्रत्येक 12 महीने की अवधि के पश्चात् यह घोषणा पत्र भरकर प्रस्तुत करे और उसमें वह उसके स्वामित्व की तथा उसके द्वारा अर्जित अथवा उसे विरासत में मिली या उसके अपने नाम पर या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम पर अथवा किसी अन्य व्यक्ति के नाम से पट्टे या बंधक पर धारित स्थावर (अचल) संपत्ति का विवरण देवें।

इस कार्यालय उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित करें।

संलग्न — उपरोक्तानुसार